

प्रेषक

मिशन निदेशक ,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई
विशाल काम्पलैक्स 19-ए विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

1. जिला अधिकारी

2. मुख्य चिकित्सा अधिकारी,

जनपद-आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, बिजनोर, बदायूँ, बुलन्दशहर, एटा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, झाँसी, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, कासगंज, ललितपुर, मेनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ, सम्भल एवं शामली।

पत्रांक:-एस.पी.एम.यू./आर.के.एस.के./एन.डी.डी./09/2015-16-9928-2 दिनांक 28.01.2016

विषय:-'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (National Deworming Day -NDD) 10 फरवरी 2016 को आयोजित कर 1-19 वर्ष के बच्चों को टेबलेट एल्बेन्डाजोल खिलाये जाने के सम्बन्ध में दिशा निर्देश।

महोदय/महोदया

अवगत कराना है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार पेट के कीड़े होना विश्व व्यापी तथा बहुत बड़ी पब्लिक हैल्थ समस्या है। 1-19 वर्ष के बच्चों में, कृमि संक्रमण से जहाँ एक ओर बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है वहीं दूसरी ओर उनके पोषण एवं हिमोग्लोबिन स्तर पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव हेतु संयुक्त सचिव, भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में प्रदेश में उपरोक्त जनपदों में 10 फरवरी 2016 को " राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day-NDD) आयोजित किया जाना है।

अध्ययन के अनुसार कीड़ों की गोली (एलबेन्डाजोल 400 मि.ग्रा.)खिलाने से निम्न लिखित लाभ होते हैं-

1. एनीमिया में कमी होना एवं पोषण के स्तर में वृद्धि होना।
2. बच्चों में शारीरिक वृद्धि एवं वजन बढ़ना।
3. मानसिक एवं शारीरिक विकास में बढ़ोत्तरी होना।
4. अन्य बीमारियों से बचने हेतु प्रतिरोधी क्षमता बढ़ना।
5. स्कूल में उपस्थिति के बढ़ने में सहायक होना।
6. बच्चों में याद करने की योग्यता में वृद्धि एवं स्कूल में सक्रिय रहना।

उपरोक्त से भविष्य में जी0डी0पी0 पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा तथा प्रदेश में किशोर/किशोरियों के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक होगा।

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day -NDD)

1 से 19 वर्ष तक के आयु के बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिये प्रदेश के उक्त जनपदों में दिनांक 10.02.2016 को राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day-NDD) मनाया जायेगा, जिसमें पेट के कीड़ों की गोली (एलबेन्डाजोल 400 मि.ग्रा.) खिलायी जाने की योजना है। कार्यक्रम के संचालन के संबंध में निम्नलिखित निर्देश दिये जा रहे हैं-

लक्षित आयुवर्ग-

- ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से कक्षा 12 (6 से 19 वर्ष) तक के सभी छात्र/छात्राएं- स्कूल के माध्यम से
- स्कूल न जाने वाले 6 से 19 वर्ष तक के सभी बालक/बालिकाएं एवं 1 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चे-आंगनवाड़ी के माध्यम से

अ-आयोजन :-

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day -NDD) का आयोजन 10 फरवरी 2016 को किया जाना है जिसका शुभारंभ विशिष्ट एवं गणमान्य व्यक्ति/जिला अधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जाये।

कार्यक्रम का क्रियान्वयन स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग एवं समेकित बाल विकास सेवायें के समन्वय से किया जायेगा।

ब-दवा/औषधि :-

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस पर ग्रामीण क्षेत्र के 1 से 19 आयुवर्ग के बच्चों को निम्नानुसार पेट के कीड़े की दवा (टेबलेट,एलबेन्डाजोल 400 मि.ग्रा.) दी जाए:-

आयु वर्ग	एलबेन्डाजोल की खुराक	सेवा प्रदाता	स्थान
1 से 2 वर्षीय बच्चे	आधी गोली (चूरा कर पानी के साथ)	आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री	आंगनवाड़ी केन्द्र पर
2 से 6 वर्षीय बच्चे	पूरी 1 गोली (2 से 6 वर्ष को चूरा करके एवं 3 से 6 वर्ष चबा कर पानी के साथ)	आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री	आंगनवाड़ी केन्द्र पर
6 से 19 वर्षीय स्कूल में पंजीकृत बच्चे	पूरी 1 गोली (चबाकर पानी के साथ)	शिक्षक	सरकारी प्राइमरी एवं माध्यमिक स्कूल
स्कूल नहीं जाने वाले 6 से 19 वर्षीय बच्चे	पूरी 1 गोली (चबाकर पानी के साथ)	आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री	आंगनवाड़ी केन्द्र पर

नोट:-ध्यान रहे जो बच्चे बीमार है अथवा पूर्व से कोई दवा ले रहे हैं उन्हें अभियान में दवा न खिलाई जाये।

सभी 1 से 6 वर्षीय बच्चों तथा स्कूल नहीं जाने वाले समस्त 6 से 19 वर्षीय बालक एवं बालिकाओं को आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा 6 से 19 वर्षीय स्कूल जाने वाले बालक, बालिकाओं को सरकारी स्कूलों में शिक्षकों द्वारा एलबेन्डाजोल की गोली उपरोक्त तालिकानुसार अपने सामने खिलाया जाये।

स- प्रचार प्रसार:-

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day -NDD) हेतु आई0ई0सी0 प्लान :-

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के विषय में जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के सम्बन्ध में विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार किया जाना है जिससे समुदाय एवं कर्मचारियों को कार्यक्रम के सम्बन्ध में एवं कीड़े की दवा की आवश्यकता के बारे में पूरी जानकारी हो सके एवं उनका सहयोग प्राप्त हो सके इस हेतु निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित की जानी है।

होर्डिंग, न्यूज पेपर, वाल पेन्टिंग: -

प्रत्येक जनपद स्तर पर सरकारी जिला अस्पताल (महिला एवं पुरुष) एक-एक होर्डिंग (साइज 16 X 20 फीट) लगाया जाना है इसके अतिरिक्त 2 प्रतिष्ठित हिन्दी समाचार पत्रों में डी.ए.वी.पी. दर पर राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के विषय में विज्ञापन दिया जाना है। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय, बस स्टैन्ड, कचहरी, विकास भवन तथा ब्लॉक स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक परिसर, तहसील, बी.आर.सी., बस स्टैन्ड, अन्य मुख्य स्थानों पर एवं बड़े स्कूलों में वाल पेन्टिंग (साइज 5 X 8 फीट) कराई जाये।

बैनर, पोस्टर -

सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों, सरकारी प्राइमरी एवं माध्यमिक स्कूलों में दो-दो पोस्टर लगाये जाने हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य-मुख्य स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में एक फ्लेक्स बैनर (साइज 2 X 6 फीट) लगाये जाने है। साथ ही ब्लॉक की पी0एच0सी0 एवं सी0एच0सी0 एवं ब्लाक तहसील, सी0डी0पी0ओ0, बी0आर0सी0 कार्यालय बस स्टैण्ड में भी एक-एक बैनर लगाया जाना है। बैनर्स एवं पोस्टर के स्पेशिफिकेशन एवं प्रोटोटाइप वित्तीय दिशा निर्देशों के साथ दिये गये है।

हैण्डआउट-

प्रत्येक आंगनवाड़ी एवं प्रत्येक स्कूल से एक नोडल अध्यापक हेतु हैण्ड आउट एवीडेन्स एक्शन संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे है। जिनमें रिपोर्टिंग प्रपत्र भी संलग्न है। आशाओं के लिये भी एवीडेन्स एक्शन संस्था द्वारा बिना रिपोर्टिंग प्रपत्र वाला हैण्डआउट उपलब्ध कराया जा रहा है। यह हैण्डआउट आंगनवाड़ी नोडल

टीचर्स एवं आशाओं को प्रशिक्षण के दौरान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। ए.सी.एम./ नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि उक्त हैण्डआउट सम्बन्धित को अवश्य प्राप्त हो जाय।

हैण्डबिल-

ग्रामीण स्तर पर प्रत्येक आशा एवं ए0एन0एम0 को 25-25 हैण्डबिल (ब्रीफ वाला) तथा प्रत्येक प्राइमरी एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रशिक्षण में भाग लेने वाले अध्यापक को 50 हैण्डबिल (क्रिश्प वाला) दिये जाने हैं। हैण्डबिल का स्पेशिफिकेशन एवं प्रोटोटाइप वित्तीय दिशा निर्देशों के साथ दिये गये हैं।

द-राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस (National Deworming Day -NDD) पर स्कूल एवं आंगनवाड़ी में उपलब्ध रहने वाली सामग्री :-

स्कूल एवं आंगनवाड़ी

- 1- Albendazole Tablets
- 2- 2 Posters for school
- 3- 2 Posters for Anganwadi
- 4- 1 Handout with Reporting form for school
- 5- 1 Handout with Reporting form for Anganwadi
- 6- Drinking Water with Glass
- 7- Community Handbill - (आशा,ए.एन.एम. एवं टीचर्स द्वारा सामुदाय में वितरित किया जायेगा)
- 8- प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र पर 2 चम्मच दवा को पीसने के लिये।

क-स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य सहयोगी विभागों की भूमिका :-

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जनपदीय नोडल अधिकारी नामित किये जा चुके हैं तथा प्रोक्योरमेन्ट एवं प्रशिक्षण के दिशानिर्देश भी पूर्व में प्रेषित किये गये हैं। कार्यक्रम के सम्बन्ध में वित्तीय निर्देश पत्र सं0 एस.पी.एम.यू./आर.के.एस.के./एन.डी.डी./09/2015-16/9797-24 दिनांक 22.01.2016 को प्रेषित किये जा चुके हैं।

कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु सम्बन्धित विभागों की भूमिका का विवरण निम्नवत है-

क्र. सं०	स्तर	विवरण	निर्धारित समय-सीमा	जिम्मेवार
1	जिला स्तर पर	अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक:- यह बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कराई जायें जिसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ आई.सी.डी.एस., शिक्षा एवं जनपद के सक्रिय स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि प्रतिभाग करेंगे जिन्हें कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुये कार्यक्रम संचालन के सम्बन्ध में रणनीति तैयार की जाये। द्वितीय बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा एवं आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जाये।	प्रथम बैठक: 31 जनवरी 16 तक द्वितीय बैठक: 6 फरवरी 16 तक	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी
1.2	जिला स्तर पर	टेबलेट एल्बेन्डाजॉल का क्रय एवं ब्लॉक सी.एच. सी./पी.एच.सी. तक पहुँचाना	क्रय : 25 जनवरी 2016 तक ब्लॉक तक पहुँचाना: 31 जनवरी 2016 तक	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी
1.3	जिला स्तर पर	आई.ई.सी. सामग्री का प्रिन्टिंग एवं वितरण तथा दीवाल लेखन एवं होर्डिंग लगवाना	प्रिन्टिंग एवं वितरण : 3 फरवरी 2016- प्रथम ब्लॉक स्तरीय बैठक से पूर्व	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी
1.4	जिला स्तर पर	जिला स्तरीय प्रशिक्षण : राज्य स्तर पर जनपदीय नोडल अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स एवीडेन्स	3 फरवरी 2016 तक प्रशिक्षण पूर्ण किया	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं

		एक्शन को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जनपद स्तर पर जनपद एवं ब्लॉक स्तर के सहयोगी विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाना है।	जाना।	नोडल अधिकारी
1.5	जिला स्तर पर	चेक लिस्ट कार्यक्रम संचालन हेतु प्रोटोटाइप भेजा गया है, नोडल अधिकारी का दायित्व होगा कि वह यह सुनिश्चित करे कि चेक लिस्ट के अनुसार गतिविधियाँ समय पर पूर्ण की जा रही हैं अथवा नहीं तदनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करे।	चेक लिस्ट की समय सीमा के अनुसार	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी
2	ब्लॉक स्तर	अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक:- यह बैठक अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी द्वारा आई.सी. डी.एस., बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज एवं जनपद के सक्रिय स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि के साथ की जायेगी। बैठक में कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुये कार्यक्रम संचालन के सम्बन्ध में रणनीति एवं आपसी सहयोग पर चर्चा की जाये। उक्त बैठक में एस.डी.एम. का भी सहयोग लिया जाये। द्वितीय बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा एवं आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जाये।	प्रथम बैठक 3 फरवरी 2016 तक द्वितीय बैठक 7 फरवरी 2016 तक	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी
2.2	ब्लॉक स्तर	टेबलेट एल्बैन्डाजॉल को स्कूल एवं आँगनवाड़ी तक ब्लॉक स्तरीय बैठकों के माध्यम से अथवा स्कूलों एवं आँगनवाड़ी तक सीधे पहुँचाना	स्कूल एवं आँगनवाड़ी तक पहुँचाना: 3 फरवरी 2016 तक	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी
2.3	ब्लॉक स्तर	आई.ई.सी. सामग्री का वितरण एवं पोस्टर बैनर्स लगवाना एवं दीवाल लेखन	3 फरवरी 2016- प्रथम ब्लॉक स्तरीय बैठक तक स्कूल, आँगनवाड़ी एवं पी.एच. सी., उपकेन्द्र पर	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी
2.4	ब्लॉक स्तर	ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण : जनपद स्तर पर प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा ब्लॉक स्तर पर आई. सी.डी.एस. विभाग की आँगनवाडियों कार्यकर्त्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को सी.डी.पी.ओ. एवं चिकित्सा अधिकारी/एच.ई.आई.ओ. के द्वारा आधे दिन का प्रशिक्षण दिया जाना है। इसी प्रकार बेसिक एवं माध्यमिक स्कूलों के नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण बी.आर.सी पर प्रशिक्षित टीचर्स एवं चिकित्सा अधिकारी/एच.ई.आई.ओ. द्वारा दिया जायेगा। ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त नोडल अध्यापक द्वारा अपने विद्यालय के अन्य अध्यापकों को कार्यक्रम की पूर्ण जानकारी दी जायेगी। आशा एवं ए.एन.एम. को चिकित्सा अधिकारी /एच.ई.आई.ओ. द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा।	जनपद स्तर के प्रशिक्षण के उपरान्त 6 फरवरी 2016 तक	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी, सी.डी.पी.ओ., बी.ई.ओ.
2.5	ब्लॉक स्तर	चेक लिस्ट कार्यक्रम संचालन हेतु प्रोटोटाइप भेजा गया है, अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सुनिश्चित करें कि चेक लिस्ट के	चेक लिस्ट की समय सीमा के अनुसार	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साअधिकारी

		अनुसार गतिविधियाँ समय पर पूर्ण की जा रही हैं अथवा नहीं तदनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करे।		
3	ग्राम/ उपकेन्द्र स्तर	ग्राम स्तर पर ए0एन0एम0 अपने क्षेत्र की सभी ऑगनवाड़ी एवं आशाओं के साथ मिलकर कार्यक्रम के विषय में चर्चा करेगी तथा 1 से 19 वर्ष के ऑगनवाड़ी/स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची संलग्न प्रारूप पर आशा के सहयोग से तैयार कर ऑगनवाड़ी को उपलब्ध कराने हेतु बतायेगी। आशा अभिभावकों को इस गोली को खिलाये जाने के सम्बन्ध में जानकारी देकर प्रेरित करते हुये 10 फरवरी को बच्चों को बुला कर ऑगनवाड़ी केन्द्र पर लायेगी।	7 फरवरी 2016 तक	ए0एन0एम0

ख-दवा खिलाने की विधि : -

टेबलेट एलबेन्डाजोल (400 मि.ग्रा.) की गोली कक्षा 1 से 12 तक के सभी बच्चों को अध्यापकों की निगरानी में एक गोली चबा कर पानी के साथ खिलाई जायेगी इसके लिये पीने का साफ पानी व ग्लास की व्यवस्था स्कूल द्वारा की जानी है।

ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर टेबलेट एलबेन्डाजोल (400 मि.ग्रा.) की आधी गोली 1 से 2 वर्ष के बच्चों को तथा 2 से 3 वर्ष के बच्चों को एक गोली 2 चम्मचों के बीच पीस कर पानी के साथ एवं पूरी 1 गोली 3 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्री की निगरानी में चबा कर पानी के साथ खिलाई जायेगी। 3 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को यह गोली चबा कर पानी के साथ खिलाई जायेगी। इसके लिये 2 चम्मच, पीने का साफ पानी व ग्लास की व्यवस्था ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्री द्वारा की जानी है।

10 फरवरी 2016 (एन.डी.डी.) को जिन बच्चों को दवा खिलाई जायेगी रजिस्टर/सूची में उनके नाम के सम्मुख एक सही का निशान (✓) तथा जिन बच्चों को 15 फरवरी 2016 मप-अप डे दिन दवा खिलाई जायेगी रजिस्टर/सूची में उनके नाम के सम्मुख 2 सही का निशान (✓✓) लगाया जायेगा।

ग-मॉप अप डे (15 फरवरी 2016) :-

1-19 वर्ष के सभी बच्चों को एन0डी0डी0 के दिन दवा खिलायी जानी है इसके पश्चात दिनांक 11 फरवरी को स्कूल, ऑगनवाड़ी, आशा, ए.एन.एम., ब्लॉक एवं जनपद प्रत्येक स्तर पर एन.डी.डी. 10 फरवरी 2016 के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाये एवं यह देखा जाये कि जो बच्चे दवा खाने से किन्ही कारणों से वंचित रह गये हैं उन्हें 15 फरवरी 2016 को मॉप-अप डे के दिन स्कूलों एवं ऑगन वाड़ी केन्द्रों पर पुनः दवा खिलाये जाने की कार्यवाही की जाये।

घ-आशाओं हेतु प्रतिपूर्ति:-

आशा द्वारा अपने क्षेत्र के 1-19 वर्ष के स्कूल/ऑगनवाड़ी न जाने वाले बच्चों की सूची तैयार कर ऑगनवाड़ी को उपलब्ध कराया जायेगा तथा उन बच्चों को एन.डी.डी./मॉप-डे के दिन दवा खिलाने के लिये बुलाया जायेगा। जिन आशाओं द्वारा उक्त सूची ऑगनवाड़ी कार्यकर्त्री को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यक्रम में एन.डी.डी. एवं मॉप-अप डे के दिन बच्चों को दवा खिलाने हेतु सहयोग दिया जायेगा उन्हें रु0 50/- मानदेय दिया जायेगा। इसके लिये आशा को ऑगनवाड़ी द्वारा सूची एवं दवा खिलाने में सहयोग दिये जाने का प्रमाण पत्र प्राप्त कर एम0ओ0आई0सी को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक होगा।

ङ-प्रतिकूल प्रभाव एवं प्रबन्धन:-

यद्यपि टेबलेट एलबेन्डाजोल (400 मि.ग्रा.) की गोली के प्रतिकूल प्रभाव कम हैं फिर भी कुछ बच्चों में खासतौर पर उन बच्चों जिनमें कीड़ों की अधिकता है कुछ प्रतिकूल प्रभाव जैसे कि मिचली आना, उल्टी होना, पेट में दर्द आँत में अवरोध, एलर्जिक रियक्शन आदि हो सकती है जो अधिकांशतयः गंभीर नहीं होती है। प्रतिकूल प्रभाव एवं प्रबन्धन की जानकारी ई-मेल द्वारा भारत सरकार की एन.डी.डी. 2016 की गाइड लाइन भेजी जा रही है जिसमें प्रतिकूल प्रभाव एवं प्रबन्धन पृष्ठ सं0 38 से 48 पर उल्लिखित है (गाइड लाइन ई-मेल द्वारा प्रेषित की जा रही है), कृपया अपने स्तर से सभी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों को गाइड लाइन उपलब्ध करा दें। प्रतिकूल प्रभाव होने पर गाइड लाइन के अनुसार कार्यवाही की जाये। जनपद एवं ब्लॉक स्तर एन.डी.

डी. 10 फरवरी 2016 एवं मॉप-अप डे 15 फरवरी, 2016 के लिये कन्ट्रोल रूम स्थापित किये जायें। कन्ट्रोल रूम के नम्बर सभी आशाओं, ऑगनवाड़ी, टीचर्स, स्वास्थ्य कर्मियों को उपलब्ध कराया जाये। सुनिश्चित किया जाये कि प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस एव मॉप-अप डे पर एल्बेन्डाजोल गोली, ओ.आर.एस. पैकेट, डोमपेरिडॉन टेबलेट, डाईसाइक्लोमिन टेबलेट/सस्पेंशन, पैरासिटामोल टेबलेट/सस्पेंशन तथा सी.पी.एम. टेबलेट/सेट्रिजिन टेबलेट की व्यवस्था, प्रतिकूल घटना के प्रबंधन हेतु उपलब्ध रहे।

च-मॉनिटरिंग एवं समीक्षा-

एन.डी.डी. 10 फरवरी 2016 एवं मॉप-अप डे 15 फरवरी, 2016 के दिन राज्य, जनपद, ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आई0सी0डी0एस0 विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम संचालन के सम्बन्ध में पर्यवेक्षण किया जाना आवश्यक है। इसके लिये मॉनिटरिंग प्रपत्र का प्रोटोटाइप संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है। उक्त प्रपत्र वांछित मात्रा में छपवाकर तीनों विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध कराया जाय। निरीक्षण के समय यदि कहीं पर गोली की आवश्यकता हो तो तत्काल ब्लॉक एम.ओ.आई.सी./कन्ट्रोल रूम को सूचित कर कार्यवाही कराये। जिले एवं ब्लॉक स्तर पर एल्बेन्डाजोल (400 मि.ग्रा.) कम से कम 5000 टेबलेट का बफर स्टॉक भी रखा जाये, जिससे कि यदि किसी केन्द्र पर गोली की कमी हो तो तत्काल उपलब्ध कराया जा सके।

तीनों विभागों के सभी मॉनिटर्स को अपनी मॉनिटरिंग रिपोर्ट उसी दिन शाम को मॉनिटरिंग फीडबैक के साथ अधीक्षक/ब्लाक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये जायें। एन.डी.डी. 10 फरवरी 2016 एवं मॉप-अप डे 15 फरवरी, 2016 के दिन ब्लाक पर सभी पर्यवेक्षक के साथ उसी दिन शाम को एक समीक्षा बैठक की जाये।

छ-रिपोर्टिंग-

अभियान में खिलाई गयी गोलियों के लिये रिपोर्टिंग प्रपत्र ऑगनवाड़ी एवं टीचर्स को प्रशिक्षण के दौरान हैण्डआउट के साथ उपलब्ध कराये गये हैं। रजिस्टर/सूची के अनुसार डीवर्मिंग-डे (10 फरवरी) एवं मॉप-अप डे (15 फरवरी) को गोली के सेवन किये गये बच्चों की सूचना हैण्ड आउट में संलग्न प्रपत्र में भर कर प्रत्येक स्कूल/ऑगनवाड़ी केन्द्र अपने क्षेत्र की ए0एन0एम0 को उपलब्ध करायेंगे। ए.एन.एम. द्वारा यह रिपोर्ट ब्लॉक अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करायी जायेगी। ब्लॉक अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अपने पूरे ब्लॉक की संकलित रिपोर्ट जनपद स्तर को उपलब्ध करायेंगे जिसे वे पूरे जनपद की रिपोर्ट को संकलित कर राज्य स्तर को उपलब्ध करायेंगे। विभिन्न स्तरों पर प्रयोग किये जाने वाले रिपोर्टिंग प्रपत्र, समय सीमा एवं रिपोर्टिंग के लिये जिम्मेदार व्यक्ति का विवरण निम्नवत है।

क्रम सं०	स्तर	रिपोर्टिंग प्रपत्र	जिम्मेदार व्यक्ति	रिपोर्ट किसे स्तर पर जमा करनी है।	समय सीमा
1	ऑगनवाड़ी केन्द्र/स्कूल	हैण्डआउट के साथ संलग्न प्रपत्र	ऑगनवाड़ी एवं टीचर	ए.एन.एम. को	19 फरवरी 2016
2	ए0एन0एम0	उपकेन्द्र/ब्लॉक/जनपद प्रपत्र	ए0एन0एम0	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को	26 फरवरी 2016
3	ब्लॉक सी.एच.सी./पी.एच.सी.	उपकेन्द्र/ब्लॉक/जनपद प्रपत्र	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी	जनपदीय नोडल अधिकारी को	10 मार्च 2016
4	जनपद	उपकेन्द्र/ब्लॉक/जनपद प्रपत्र	मुख्य चिकि० अधिकारी/नोडल अधिकारी	महानिदेशक प.क./चिकि.स्वा./मिशन निदेशक	17 मार्च 2016

ज-कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग की भूमिका :-

ब्लॉक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रशिक्षण में सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक या शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थिति रहे। NDD सामग्री की उपलब्धता प्रशिक्षण के पूर्व सुनिश्चित की जाय एवं इसका वितरण प्रशिक्षण के ठीक बाद उसी दिन कर लिया जाय।

सरकारी स्कूलों में प्रधानाचार्य/शिक्षक द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के आयोजन हेतु निम्न तैयारियों सुनिश्चित की जाये :-

1. राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के बैनर का उचित स्थान पर प्रदर्शन।
2. एलबेन्डाजोल प्रदायगी हेतु स्कूलों में काउन्टर की स्थापना।
3. बच्चों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था।
4. कार्यक्रम के एक सप्ताह पूर्व शिक्षक समुदाय जागरूकता गतिविधियों जैसे-प्रभात फेरी, अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTA meeting), विद्यालय प्रबंधक समिति की बैठक (SMC Meeting) में डिवार्मिंग के लाभ के बारे में चर्चा करेंगे।
5. उपस्थिति रजिस्टर में गोली खिलाने के बाद एन.डी.डी. के दिन बच्चों के नाम के सम्मुख एक ✓ का निशान लगाना। मॉप-अप दिवस पर छूटे बच्चों को गोली खिलाना एवं उपस्थिति रजिस्टर में दो ✓✓ का निशान लगाना।
6. जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवा ले रहे हैं उन्हें एल्बेन्डाजोल गोली का सेवन नहीं कराया जाए।
7. बच्चों में डीवर्मिंग की दवाई के साईड इफेक्ट बहुत कम होते हैं। कृमि संक्रमण की अधिकता के कारण कुछ मामूली दुष्प्रभाव जैसे-मिचली आना, उल्टी होना, पेट में दर्द आँत में अवरोध, एलर्जिक रियक्शन आदि की संभावना हो सकती है। ये कुछ समय में अपने आप ठीक हो जाते हैं। किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव की स्थिति में बच्चे को खुले एवं छायादार स्थान पर लिटाया जाये तथा साफ स्वच्छ पेयजल दिया जाये।
8. यदि दवा खिलाने के उपरान्त कोई गंभीर प्रतिकूल लक्षण हों तो संपर्क सूची में दर्ज ग्राम की आशा/ए. एन.एम./RBSK चिकित्सक / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को सूचित किया जाये ऐसी स्थिति में परिजनों को सूचित करते हुए आकस्मिक परिवहन व्यवस्था 108 के माध्यम से पीड़ित बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया जाये।
9. प्रतिकूल घटना की सूचना हेतु प्रत्येक स्कूल में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, ए.एन.एम., आशा, RBSK, चिकित्सक, 108 एम्बुलेन्स एवं कन्ट्रोल रूम के संपर्क नम्बर की सूची की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
10. दिनांक 15 फरवरी को समस्त शिक्षक/प्रधानाध्यापक द्वारा छूटे हुए बच्चों को मॉप-अप डे पर एल्बेन्डाजोल गोली का सेवन कराया जाये।
11. 19 फरवरी 2016 तक शिक्षक अपनी रिपोर्ट ANM को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

झ-समेकित बाल विकास सेवाएँ विभाग की भूमिका :-

ब्लॉक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत मुख्य सेविका, आँगनवाड़ी सेविकाओं की उपस्थिति रहे। NDD सामग्री की उपलब्धता प्रशिक्षण के पूर्व की जाये एवं इसका वितरण प्रशिक्षण के ठीक बाद उसी दिन कर लिया जाये।

आँगनवाड़ी केन्द्रों में आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के आयोजन पूर्व निम्न तैयारियों सुनिश्चित की जाये :-

1. राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के बैनर का उचित स्थान पर प्रदर्शन।
2. कार्यक्रम के एक सप्ताह पूर्व आँगनवाड़ी सेविका समुदाय जागरूकता गतिविधियों जैसे-अभिभावक-आँगनवाड़ी बैठक, VHSNC की बैठक तथा पंचायत की बैठक में डिवार्मिंग के लाभ के बारे में चर्चा करेंगे।
3. एलबेन्डाजोल खिलाने हेतु आँगनवाड़ी केन्द्र पर काउन्टर की स्थापना एवं गोली को चूराकर दिये जाने हेतु चम्मच की व्यवस्था। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि 1 से 3 वर्ष तक के बच्चे को गोली को चूराकर पानी के साथ तथा 4 से 6 वर्षीय बच्चे गोली को चबाकर पानी के साथ ही खायें।
4. बच्चों के लिये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था।
5. 6 से 19 वर्षीय स्कूल नहीं जाने वाले बच्चे अथवा स्कूल से अनुपस्थित बच्चों की सूची ग्राम की आशा द्वारा आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री को देना ताकि उन्हें एल्बेन्डाजोल की 1 गोली का सेवन कराया जा सके।
6. आँगनवाड़ी केन्द्र रजिस्टर/आशा द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूची में एन.डी.डी. (10 फरवरी 2016)के दिन दवा खाये बच्चों के सम्मुख एक ✓ का निशान तथा मॉप-अप दिवस (15 फरवरी 2016)पर छूटे बच्चों को गोली खिलाकर दो ✓✓ का निशान लगाना।
7. जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवा ले रहे हैं उन्हें एल्बेन्डाजोल गोली का सेवन नहीं कराया जाए।

8. बच्चों में डीवर्मिंग की दवाई के साईड इफेक्ट बहुत कम होते हैं। कृमि संक्रमण की अधिकता के कारण कुछ मामूली दुष्प्रभाव जैसे—मिचली आना, उल्टी होना, पेट में दर्द आँत में अवरोध, एलर्जिक रियक्शन आदि की संभावना हो सकती है। ये कुछ समय में अपने आप ठीक हो जाते हैं। किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव की स्थिति में बच्चे को खुले एवं छायादार स्थान पर लिटाया जाये तथा साफ स्वच्छ पेयजल दिया जाये।
9. ऑगनवाड़ी राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस तथा मॉप-अप दिवस से पहले आशा/ए.एन.एम./RBSK चिकित्सक/प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी/सी.डी.पी.ओ. का दूरभाष नं ऑगनवाड़ी केन्द्र पर रखेगी ताकि गंभीर प्रतिकूल लक्षण होने पर संपर्क सूची में दर्ज ग्राम की आशा/ए.एन.एम./RBSK चिकित्सक/प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी/सी.डी.पी.ओ. को सूचित किया जा सके। ऐसी स्थिति में परिजनों को सूचित करते हुए आकस्मिक परिवहन व्यवस्था 108 एम्बुलेन्स के माध्यम से पीड़ित बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचाया जाये।
10. दिनांक 15 फरवरी, 2016 को समस्त छूटे हुए बच्चों को मॉप अप डे पर एल्बेण्डाजॉल गोली का सेवन कराया जाये।
11. 19 फरवरी 2016 तक ऑगनवाड़ी अपनी रिपोर्ट ए.एन.एम. को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगी।
12. ऑगनवाड़ी द्वारा आशा को उसके द्वारा दवा खिलाने हेतु दिये गये सहयोग एवं सूची उपलब्ध कराने का प्रमाण पत्र आशा के मानदेय हेतु दिया जायेगा।

यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, इसमें विभिन्न विभागों की सक्रिय सहभागिता परम आवश्यक है अतः जिला अधिकारी अपने स्तर से इस कार्यक्रम हेतु नेतृत्व प्रदान कर स्थानीय स्थित के अनुसार जन समर्थन हेतु भी विशेष पहल करने का कष्ट करें।

संलग्नक: प्रथोक्त

भवदीय
(डा० काजल)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांक:—एस.पी.एम.यू./आर.के.एस.के./एन.डी.डी./09/2015-16 दिनांक
प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ०प्र०शासन, लखनऊ।
2. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, उ०प्र०, लखनऊ।
3. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, लखनऊ।
4. मण्डलायुक्त, आगरा, अलीगढ़, बरेली, झाँसी, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर।
5. निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार, इन्दिराभवन लखनऊ।
6. निदेशक, बेसिक शिक्षा, महानिदेशालय निशातगंज लखनऊ।
7. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, पार्क रोड, लखनऊ।
8. सम्बन्धित मण्डलीय, अपर निदेशक, कृपया आवश्यक व्यवस्था का अनुश्रवण करें।
9. मण्डलीय एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक।
10. अपर निदेशक मलेरिया, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन लखनऊ।
11. वित्त नियंत्रक, एस.पी.एम.यू. लखनऊ।
12. स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, एवीडेन्स एक्शन, 3/232 विवेक खण्ड गोमती नगर लखनऊ।

(डा० काजल)
अपर मिशन निदेशक

ऑंगनवाड़ी एवं स्कूल न जाने वाले 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों का विवरण

जनपद का नाम..... ब्लॉक का नाम..... ग्राम का नाम

आशा का नाम आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री का नाम.....

क्र०सं०	बच्चे का नाम	पिता/माता का नाम	उम्र	दवा पिलायी गई हाँ/नहीं

आशा का हस्ताक्षर.....